Seat No. : _____

JA2-108

January-2016

M.A., Sem.-I

404 : Hindi

(लोकजागरण कालीन साहित्य)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

1. (क) भक्ति का अर्थ बताते हुए, भक्ति की विभिन्न परिभाषाएँ एवम् स्वरूप समझाइए । **10**

अथवा

मध्यकाल में विभिन्न धर्म साधनाएँ विस्तार से समझाइए ।

(ख) किसी **एक** विषय पर टिप्पणी लिखिए : **4**

(1) भक्ति एवम् लोकजागरण का संबंध

(2) भगवद्गीता में भक्ति

(3) भक्तिकाल की सांस्कृतिक परिस्थितियाँ

2. (क) हिन्दी कृष्णभक्ति कविता का परिचय देते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । **10**

अथवा

वचन साहित्य का परिचय देते हुए, उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ख) किसी **एक** विषय पर टिप्पणी लिखिए । **4**

(1) सगुण एवम् निर्गुण भक्ति में अंतर

(2) अनुभव मंडप का उद्देश्य

(3) पुष्टिमार्ग

3. (क) सूरदास के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व पर प्रकाश डालिए । **10**

अथवा

भ्रमरगीत परंपरा का परिचय देते हुए, सूरदास के भ्रमरगीत की विशेषताएँ बताइए ।

(ख) किसी **एक** पद की व्याख्या कीजिए । **4**

(1) आयो घोष बड़ो व्यापारी

(2) हरि सो भलो सो पति सीता को

(3) संदेसो देवकी सो कहियो

4. (क) अक्क महादेवी को कन्नड़ की मीरा क्यों कहा जाता है ? विस्तार से समझाइए । **10**

अथवा

जेडर दासमिया का संक्षिप्त परिचय देते हुए, उनके वचनों का महत्त्व समझाइए ।

(ख) किसी **एक** विषय पर टिप्पणी लिखिए । **4**

(1) बसवेश्वर की सामाजिक चेतना

(2) 'वेद ग्रंथ है पठनीय वचन' में अल्लम प्रभु का कथ्य

(3) 'पतिव्रता बनकर परपुरुष' – पद में चन्नवसवण्णा का कथ्य

5. (क) **एक** वाक्य में उत्तर लिखिए । **7**

(1) 'ब्रह्म सत्य जगत मिथ्या' किसका कथन है ?
(शंकराचार्य, मध्वाचार्य, वल्लभाचार्य, रामानुजाचार्य)

(2) सूफी संतों की परंपरा में क्या मुख्य था ? (ज्ञान, ध्यान, प्रेम, भक्ति)

(3) भ्रमरगीत किस शैली में लिखा गया है ? (पद, दोहा, मुक्तक, प्रबन्ध)

(4) वृषभानुकुमारी सूरदास किसे कहते हैं ? (गोपी, राधा, कुब्जा, गौरी)

(5) गोपियाँ उद्धव को मन की संख्या कितनी बताती हैं ? (दस, बीस, एक, अनेक)

(6) अक्क महादेवी की भक्ति किस प्रकार की है ? (दास्य, सख्य, माधुर्य, वात्सल्य)

(7) अल्लम प्रभु के पदों में कौन सा उपनाम पाया जाता है ?
(चन्नवसवणा, कुडल संगम देव, गुहेश्वर, चेन्नमलिकार्जुन)

(ख) निम्नलिखित विधानों में से सही या गलत पहचानिए : **7**

(1) शिव आर्यों के देवता नहीं थे ।

(2) भक्ति का उदय उत्तर भारत में हुआ ।

(3) बंगाल में भक्ति को जन-जन तक पहुँचाने का श्रेय जयदेव को जाता है ।

(4) उद्धव के पिता का नाम उपंग था ।

(5) धार्मिक साधना के लिए शिवशरणों ने संन्यास को अनिवार्य नहीं बताया ।

(6) मुक्तायक्का ने अपने विचारों में नीति-शिष्टाचार की बातें कही हैं ।

(7) बसवेश्वर ने धर्म को हाथ और हृदय प्रदान किये ।

———————